कोरोना के कारण उत्पन्न होने वाले कुछ महत्त्वपूर्ण समस्याएं

इस्लामिक फ़िक्ह एकेडमी इण्डिया के तीसवां फ़िक्ही सेमीनार का आयोजन 25 से 26 सफरुल मुजफ्फ़र 1443 हिजरी दिनांक 3 से 4 अक्टूबर सन् 2021 ई0 के विषयों में से एक महत्त्वपूर्ण विषय ''कोरोना के कारण उत्पन्न होने वाले कुछ महत्त्वपूर्ण समस्याएं'' का है, इस विषय पर प्राप्त होने वाले समस्त लेखों, फिर तैयार होने वाले वर्तमान मुद्दों और इस पर होने वाले प्रस्तावों के प्रकाश में निम्नलिखित प्रस्ताव पूरे किये गयेः

कोरोना संक्रमण के कारण से जहां ज़िन्दगी के दूसरे विभागों में कठिनाईयां उत्पन्न हुई, वहीं इबादत के कुछ अन्य महत्त्वपूर्ण समस्याओं में भी बाधा पैदा हुई, जिनमें से कुछ सुझाव यह हैंः

1- कोरोना जैसी प्रतिबंधों के वातावरण में एक मस्जिद में पांच बार और जुमा व ईद की नमाज में एक से अधिक जमाअतों की आज्ञा होगी। हालांकि इसका ध्यान रखा जाये कि प्रत्येक जमाअत का ईमाम अलग हो और दूसरी जमाअत अलग प्रकार हो।

2- सामान्य अवस्था में जब कि नमाज़ियों की संख्या बहुत अधिक हो और एक बार में मस्जिद के अन्दर न आ सकते हों और नमाज़ियों के मस्जिद से बाहर नमाज अदा करने में कठिनाईयां उत्पन्न होती हों, तो इस दशा में मस्जिद को बड़ा करना या दूसरी मस्जिद के निर्माण होने तक एक मस्जिद में एक से अधिक जमाअतों को करना उचित होगा।

3- कोरोना जैसे संक्रमण काल में स्वास्थ सेवाएं और प्रबन्धन व्यवस्था निर्देशों के अनुसार मस्जिद को जमाअत के अतिरिक्त अन्य स्थानों व मकानों में नमाज जुमा पढना उचित होगा। हालांकि मौलाना मुहम्मद मुस्तफा अब्दुल कुद्दुस नदवी को इस विचार से सहमति नहीं है।

4- जो लोग कोरोना जैसी प्रतिबन्धों के कारण से अपने घरों में नमाजे जोहर पढना चाहते हैं, उनके लिए जमाअत से भी पढना उचित है और एकांकी भी।

5- अगर कोरोना प्रतिबन्धों के कारण से मूर्दों को गुस्ल देना या तैयम्मुम कराना कठिन हो तो गुस्ल क्रिया निरस्त हो जायेगी और इस पर जनाज़े की नमाज अदा करना उचित होगा।

6- अगर कोरोना मैय्यत को कफन देना कठिन न हो तो कवर पर कफन पहनाना उचित है और कठिनाई की दशा में कवर ही कफन के हुक्म में होगा।

7- अगर कोरोना मैय्यत को नमाज़े जनाज़ा पढे बग़ैर दफन कर दिया गया हो तो उसकी क़ब्र पर उस समय तक नमाजे जनाज़ा पढी जा सकती है जब तक कि उसकी लाश के बदलने का वहम न हो।

☆☆☆

नोटः 30वां फ़िक्ही सेमीनारए 25 से 26 सफरुल मुजफ्फ़र 1443 हिजरी दिनांक 3 से 4 अक्टूबर सन् 2021 ई0 अल माहदुल आली अल इस्लामी हैदराबाद।